बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम्   दिनांक -17 - 02 -2021

विषय -हिन्दी   विषय शिक्षक -पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज संज्ञा के बारे में   अध्ययन करेंगे।

संज्ञा

संज्ञा की परिभाषा:

किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या अवस्था के नाम को संज्ञा' कहते हैं, जैसे- राम, लेखनी, पुस्तक, दिल्ली।

संज्ञा के भेद- संज्ञा के तीन प्रमुख भेद होते हैं

1. **जातिवाचक संज्ञा:**
   जिस संज्ञा शब्द से एक ही प्रकार अथवा जाति की सभी वस्तुओं का बोध होता हो, उसे 'जातिवाचक संज्ञा' कहते हैं, जैसे- पुस्तक, लेखनी, नगर, वृक्ष, गाय, मनुष्य आदि।

2. **व्यक्तिवाचक संज्ञा:**
   जिस संज्ञा शब्द से किसी विशेष व्यक्ति, स्थान या वस्तु का बोध हो, उसे 'व्यक्तिवाचक संज्ञा' कहते हैं; जैसे- रामायण, मोहन, गंगा, भारत, हिमालय आदि। हम प्रत्येक पुस्तक को रामायण नहीं कह सकते। इसी प्रकार प्रत्येक नदी को गंगा नहीं कह सकते। इसलिए 'रामायण', 'गंगा' आदि शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा हैं।

3. भाववाचक संज्ञा:

जिस शब्द से किसी पदार्थ में पाए जाने वाले किसी गण, अवस्था या व्यापार का बोध हो, उसे 'भाववाचक संज्ञा' कहते हैं; जैसे- लम्बाई, मोटाई, सत्यता, लड़कपन, योग्यता आदि। ये शब्द किसी-न-किसी पदार्थ के गुण या उनकी अवस्था को प्रकट कर रहे हैं, अतः ये सब भाववाचक संज्ञा हैं।

गृहकार्य

(1) संज्ञा किसे कहते हैं?

(2) संज्ञा के कितने भेद होते हैं?